



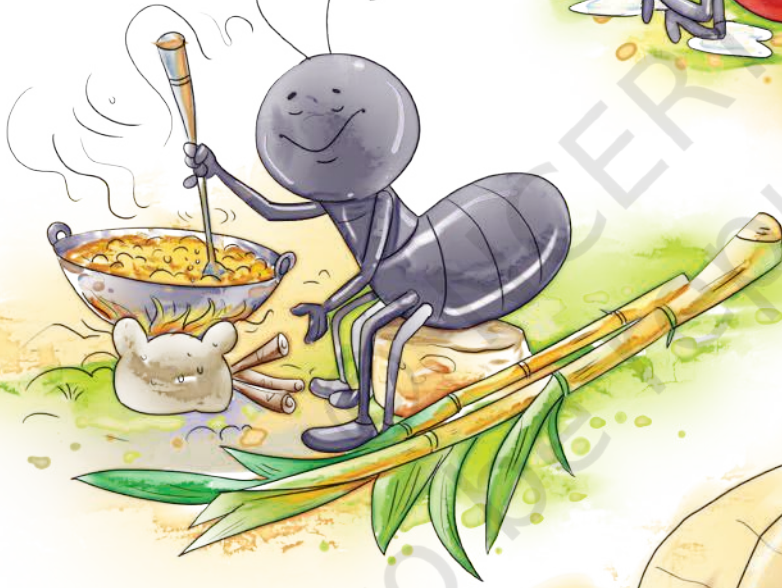
खेल गीत



0222CH06

चींटा

चींटा-चींटा दूध ला,
दूध लाकर दही जमा,
बढ़िया-बढ़िया दही जमा,
खट्टा-मीठा दही जमा।

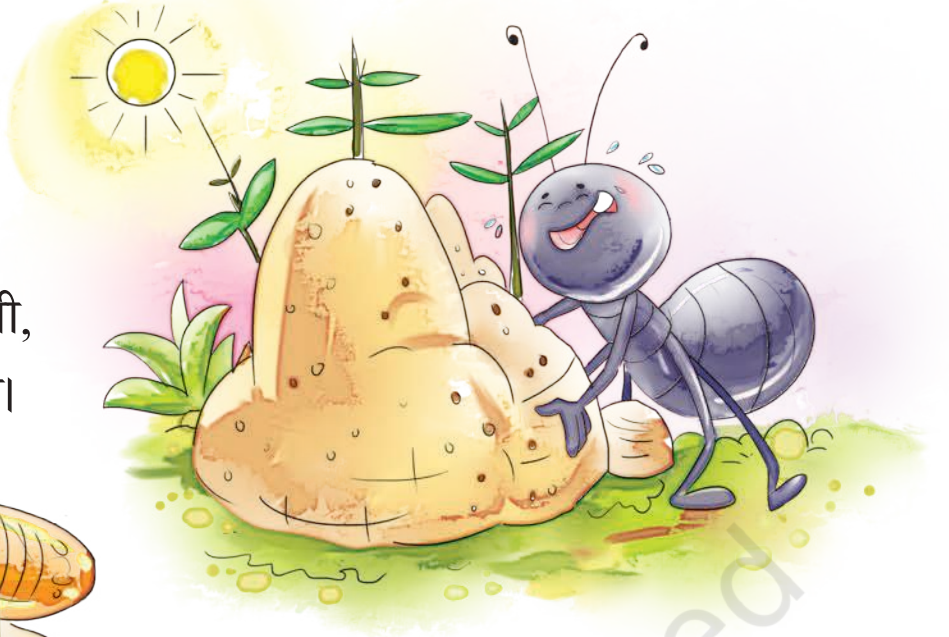


चींटा-चींटा गन्ना ला,
गन्ना लाकर शक्कर बना,
चींटी भूखी आणी,
झटपट वो खा जाणी।

चींटा-चींटा शक्कर ला,
शक्कर लाकर शरबत बना,
चींटी प्यासी आणी,
झटपट वो पी जाणी।



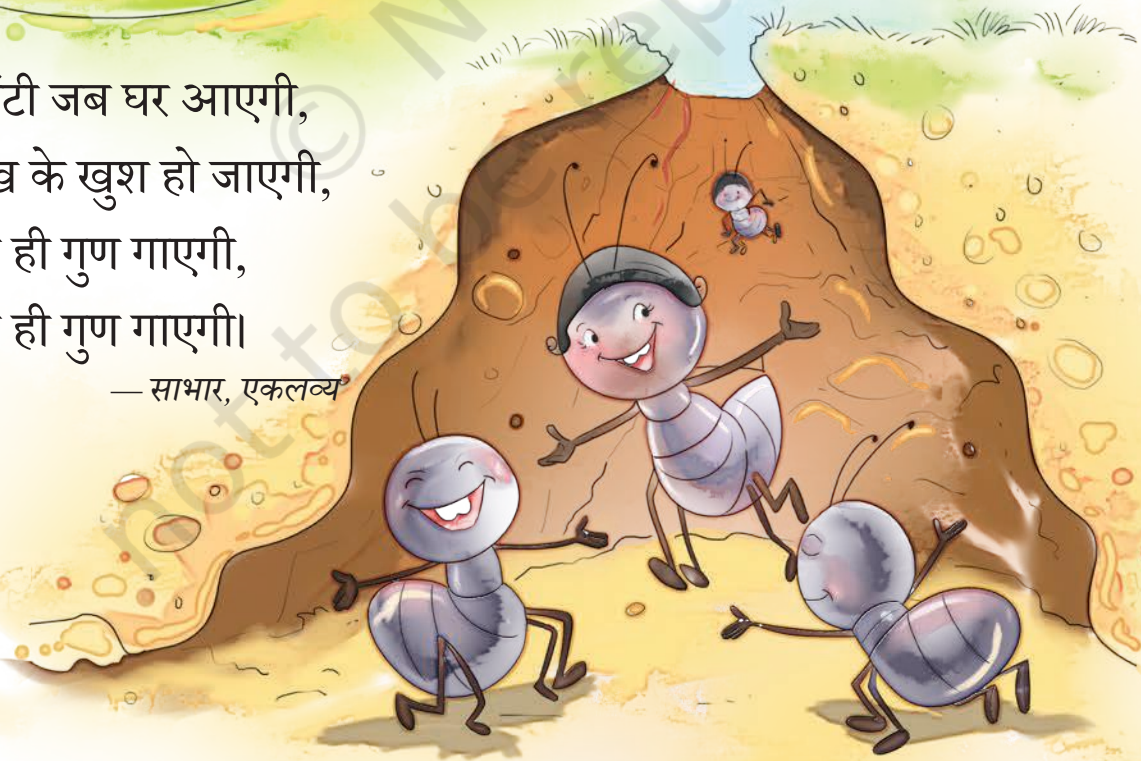
चींटा-चींटा घर बना,
चींटी धूप से आणी,
देख के खुश हो जाणी,
झट-से वो रुक जाणी।



चींटा-चींटा बाज़ार जा,
शक्कर ला, चावल ला,
रोटी ला, पानी ला,
झटपट जा, झटपट आ।

चींटी जब घर आणी,
देख के खुश हो जाणी,
तेरे ही गुण गाणी,
तेरे ही गुण गाणी।

— साभार, एकलव्य





चित्रकारी



कविता में चींटे को कुछ काम करने के लिए कहा गया है। वे क्या-क्या काम हैं? चित्रों की सहायता से बताइए और कुछ वाक्य भी लिखिए—

..... चींटे को दूध लाना है।
.....
.....
.....
.....



आइए, कुछ बनाएँ



परिवार के सदस्य या अपने किसी मित्र के लिए 'धन्यवाद कार्ड' बनाइए। इस धन्यवाद कार्ड पर आप लिख सकते हैं कि आप यह धन्यवाद कार्ड उन्हें क्यों देना चाह रहे हैं।